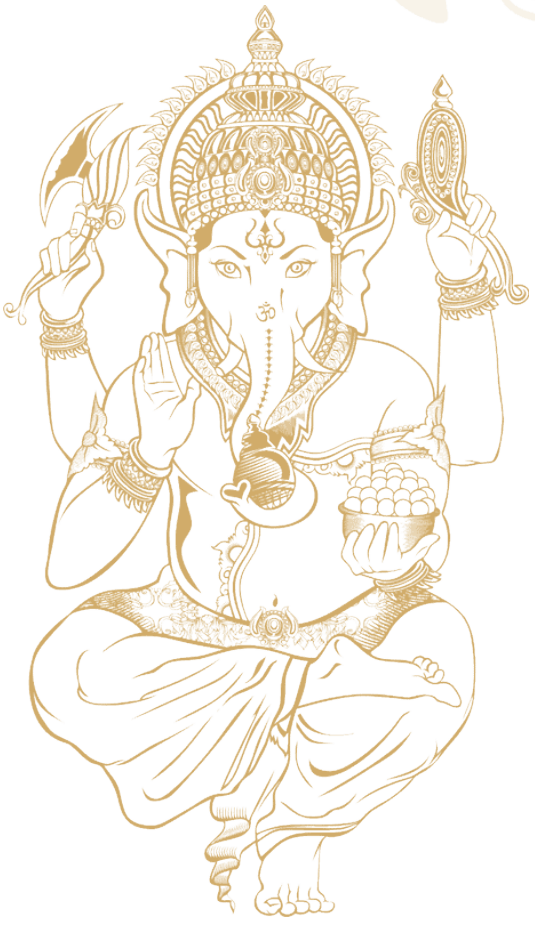

Vikram Singh

Khusbhu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121699905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/12/2001	जन्म तिथि	11-12/11/2002
मंगलवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 11:15:00	जन्म समय	03:44:00 घंटे
घटी 10:23:03	जन्म समय(घटी)	52:23:30 घटी
India	देश	India
Patiala	स्थान	Jaipur
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
76:24:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:05:46	सूर्योदय	06:43:23
17:23:26	सूर्यास्त	17:37:53
23:52:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 2वर्ष 7मा 15दि	19:11:06	मक	लग्न	कन्या	15:13:32	मंगल 5वर्ष 6मा 15दि
बुध	18:15:26	वृश्चि	सूर्य	तुला	25:27:23	राहु
21/07/2023	01:08:39	कर्क	चंद्र	मक	26:06:27	28/05/2008
21/07/2040	02:43:28	कुंभ	मंगल	कन्या	23:29:11	29/05/2026
बुध 17/12/2025	17:53:24	वृश्चि	बुध	तुला	24:06:19	राहु 09/02/2011
केतु 14/12/2026	20:11:37	मिथु व	गुरु	कर्क	23:23:41	गुरु 04/07/2013
शुक्र 14/10/2029	08:21:02	वृश्चि	शुक्र व	तुला	07:57:39	शनि 10/05/2016
सूर्य 20/08/2030	17:32:52	वृष व	शनि व	मिथु	04:18:37	बुध 28/11/2018
चन्द्र 20/01/2032	03:17:14	मिथु	राहु	वृष	14:59:25	केतु 16/12/2019
मंगल 16/01/2033	03:17:14	धनु	केतु	वृश्चि	14:59:25	शुक्र 16/12/2022
राहु 05/08/2035	27:31:35	मक	हर्ष	कुंभ	01:02:29	सूर्य 10/11/2023
गुरु 10/11/2037	12:43:31	मक	नेप	मक	14:26:39	चन्द्र 10/05/2025
शनि 21/07/2040	21:06:40	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	22:31:09	मंगल 29/05/2026

लग्न-चलित

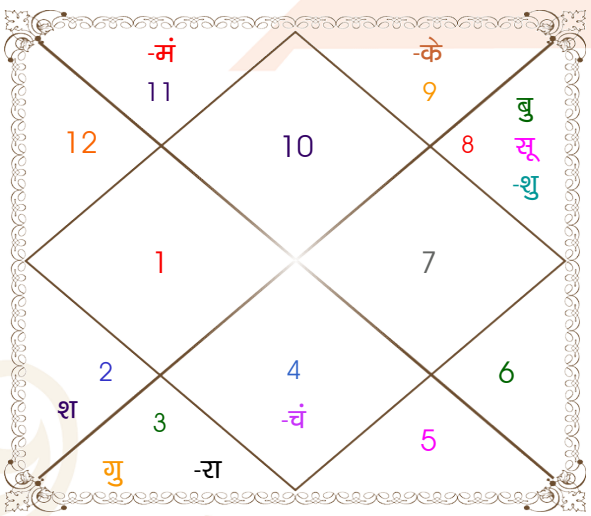

लग्न-चलित

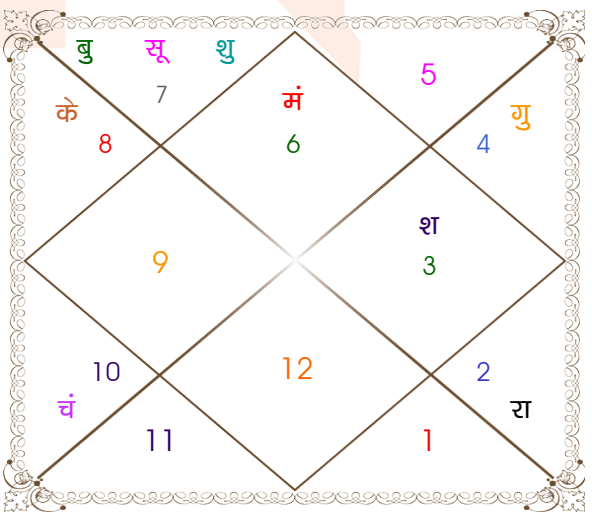

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.00		

टपातंउै पदही का वर्ग मेष है तथा Khusbhu का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपातंउै पदही और Khusbhu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

टपातंउै पदही मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Khusbhu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु टपातंउै पदही कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपातंउै पदही तथा Khusbhu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।